PCS मंत्र

पीसीएस/यूपीएससी परीक्षा-उन्मुख समसामयिकी

इज़राइल चुनाव: बहुमत से दूर गुट, सरकार कैसे बनेगी?

समाचार-संदर्भ: इज़राइल में 27 अक्टूबर 2026 का संसदीय चुनाव और 29 अक्टूबर की मतगणना तथा गठबंधन-वार्ता।
प्रकाशन: 30 अक्टूबर 2026।
मुख्य परीक्षा: GS-2 संसदीय शासन, प्रतिनिधित्व और अंतरराष्ट्रीय राजनीति।
प्रिलिम्स: नेसेट, आनुपातिक प्रतिनिधित्व और सरकार-गठन।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

इज़राइल के संसदीय चुनाव के बाद सरकार बनाने का प्रश्न खुला है। 29 अक्टूबर 2026 की मतगणना संबंधी रिपोर्टों में बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाले गुट को 53, गादी आइज़नकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गुट को 48 और अरब दलों को कुल 19 सीटें बताई गईं। किसी एक गुट की संख्या 120 सदस्यीय नेसेट में 61 तक नहीं पहुँची। इसलिए चुनाव में सबसे बड़ा दल होना और सरकार बनाने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाना अलग-अलग बातें हैं।

स्थिति स्पष्ट रखें: केंद्रीय चुनाव समिति के परिणाम-पृष्ठ पर 29 अक्टूबर की अद्यतन मतगणना उपलब्ध है। उसी पृष्ठ की सूचना के अनुसार अंतिम परिणाम 4 नवंबर 2026 तक आधिकारिक अभिलेख में प्रकाशित किए जाने हैं और तब तक परिणाम बदल सकते हैं। इसलिए यहाँ दिए गुटवार सीट-आँकड़े समाचार-रिपोर्टों की स्थिति हैं, अंतिम अधिसूचित परिणाम नहीं।

नेसेट और चुनाव प्रणाली

PCSMANTRA.COM

नेसेट इज़राइल की संसद है, जिसमें 120 सदस्य होते हैं। आधिकारिक सरकारी परिचय के अनुसार इसके चुनाव में दलों को मिले राष्ट्रीय मतों के अनुपात के आधार पर सीटें आवंटित की जाती हैं। इसे **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** कहते हैं। मतदाता किसी एक स्थानीय प्रत्याशी को जिताने के बजाय राष्ट्रीय दल-सूची को मत देते हैं।

यह प्रणाली अनेक राजनीतिक धाराओं को प्रतिनिधित्व दे सकती है। लेकिन जब किसी दल को अकेले पर्याप्त सीटें नहीं मिलतीं, तो सरकार बनाने के लिए उसे दूसरे दलों का समर्थन चाहिए। **गठबंधन** अलग-अलग दलों के बीच सरकार चलाने या उसे समर्थन देने की व्यवस्था है। सीटों का जोड़ आवश्यक है, पर साझा नीति और परस्पर भरोसा भी महत्त्वपूर्ण हैं।

सीटों का जोड़, सहमति का प्रश्न

- **नेतन्याहू गुट:** रिपोर्टों में 53 सीटें हैं। यह बहुमत के सामान्य राजनीतिक लक्ष्य 61 से कम है।
- **आइज़नकोट गुट:** रिपोर्टों में 48 सीटें हैं। इसे भी दूसरे दलों का समर्थन चाहिए।
- **अरब दल:** रिपोर्टों में संयुक्त रूप से 19 सीटें हैं। वे एक ही दल या पहले से तय साझा सरकारी गठबंधन नहीं हैं।

48 और 19 का जोड़ 67 होता है। यह मात्र अंकगणित है, सरकार बनने की घोषणा नहीं। दलों में साझेदारी को लेकर राजनीतिक मतभेद हैं। 29 अक्टूबर की रिपोर्टों में विपक्षी नेताओं की बैठकें और समर्थन जुटाने के प्रयास बताए गए, लेकिन समर्थन की कोई पूरी व्यवस्था तय होने की पुष्टि नहीं हुई थी।

राष्ट्रपति की भूमिका

नेसेट के आधिकारिक परिचय के अनुसार चुनाव परिणाम प्रकाशित होने के सात दिन के भीतर राष्ट्रपति संसदीय दलों के प्रतिनिधियों से परामर्श करके किसी नेसेट सदस्य को सरकार बनाने का कार्य सौंपते हैं। सबसे बड़े दल का नेता अपने-आप प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। सरकार बनाने की व्यवहार्य संभावना और समर्थन का प्रश्न महत्त्व रखता है।

- **प्रारंभिक समय:** जिसे कार्य सौंपा जाता है, उसे 28 दिन मिलते हैं।
- **विस्तार:** राष्ट्रपति कुल अधिकतम 14 अतिरिक्त दिन दे सकते हैं।
- **संसदीय विश्वास:** गठित सरकार अपनी नीति, मंत्रियों और दायित्व-विभाजन को नेसेट के सामने रखती है और विश्वास प्राप्त करती है।
- **निरंतरता:** नई सरकार बनने तक निवर्तमान सरकार अपने कार्य जारी रखती है। चुनाव हो जाना अपने-आप नई सरकार का पद ग्रहण करना नहीं है।

आरोप और चुनाव की विश्वसनीयता

गठबंधन की बातचीत के बीच अरब दलों से संबंधित विदेशी धन और चुनावी अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए। 29 अक्टूबर की रिपोर्टों में ये आरोप अप्रमाणित बताए गए; संबंधित दल तथा क़तर ने आरोपों का खंडन किया। जाँच की माँग या जाँच शुरू होना आरोप सिद्ध होना नहीं है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शिकायत की निष्पक्ष जाँच और मतदाताओं के जनादेश का सम्मान साथ-साथ आवश्यक हैं। किसी दल पर आरोप को पूरे समुदाय की वैध राजनीतिक भागीदारी के विरुद्ध निष्कर्ष में बदलना उचित नहीं। इस मामले में किसने अपराध किया, इसका कोई निष्कर्ष उपलब्ध रिपोर्टों से नहीं निकाला जा सकता।

भारत के लिए प्रासंगिकता

PCSMANTRA.COM

भारत के लिए पश्चिम एशिया की राजनीतिक स्थिति पर नज़र रखना ऊर्जा, भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, व्यापार और विभिन्न क्षेत्रीय भागीदारों के साथ संबंधों के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण है। फिर भी किसी संभावित गठबंधन से भारत की नीति या क्षेत्रीय युद्ध की दिशा बदलने की निश्चित भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी।

पश्चिम एशिया में कानून और व्यापार का संदर्भ: बस्तियों से व्यापार पर रोक: ब्रिटेन की पहल और विधि

आगे की राह

अगला प्रश्न अंतिम परिणाम की अधिसूचना, राष्ट्रपति के परामर्श और दलों के बीच ठोस समर्थन-समझौते का है। विश्वसनीय विश्लेषण को चुनावी आँकड़े, राजनीतिक दावे और संवैधानिक प्रक्रिया अलग-अलग रखनी चाहिए। गठबंधन की सफलता केवल संख्या पर नहीं, नीति-सहमति और संसद के विश्वास पर निर्भर करती है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. आनुपातिक प्रतिनिधित्व राजनीतिक विविधता को स्थान देता है, लेकिन सरकार-गठन में सहमति की आवश्यकता भी बढ़ाता है। इज़राइल के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भूमिका में: आनुपातिक प्रतिनिधित्व और संसदीय विश्वास का संक्षिप्त अर्थ बताइए।

मुख्य भाग में: विविध प्रतिनिधित्व, छोटे दलों की भूमिका, साझा नीति, समर्थन की स्थिरता और राष्ट्राध्यक्ष की प्रक्रियागत भूमिका समझाइए। सीटों के अंकगणित और वास्तविक राजनीतिक सहमति का अंतर बताइए।

निष्कर्ष में: प्रतिनिधित्व और स्थिरता के संतुलन के लिए पारदर्शी गठबंधन-समझौते तथा संस्थागत नियमों के पालन का महत्त्व लिखिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. इज़राइल में सरकार-गठन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति संसदीय दलों के प्रतिनिधियों से परामर्श करके किसी नेसेट सदस्य को सरकार बनाने का कार्य सौंपते हैं।
2. सबसे बड़े दल का नेता चुनाव परिणाम आते ही स्वतः प्रधानमंत्री बन जाता है।
3. सरकार बनाने का प्रारंभिक समय 28 दिन है और राष्ट्रपति कुल अधिकतम 14 दिन का विस्तार दे सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

> **उत्तर: (b) केवल 1 और 3।** राष्ट्रपति की भूमिका और समय-सीमा नेसेट के आधिकारिक परिचय में स्पष्ट हैं। सबसे बड़ा दल होना अपने-आप सरकार बनाने या प्रधानमंत्री बनने का अधिकार नहीं देता।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2. आनुपातिक प्रतिनिधित्व का मूल आशय क्या है?

(a) प्रत्येक दल को समान संख्या में सीटें देना

(b) दलों को प्राप्त मतों के अनुपात के आधार पर सीटों का आवंटन करना

(c) सबसे बड़े दल को सभी सीटें देना

(d) निर्वाचित संसद के स्थान पर प्रत्यक्ष राष्ट्रपति शासन लागू करना

> **उत्तर: (b)।** इस व्यवस्था का आधार मत-हिस्से और सीट-हिस्से का संबंध है। निर्वाचन-सीमा, पात्रता और आवंटन की विधि जैसे नियम वास्तविक परिणाम को प्रभावित करते हैं।

स्रोत और संदर्भ

- इज़राइल केंद्रीय चुनाव समिति: 26वीं नेसेट की राष्ट्रीय मतगणना और अंतिम प्रकाशन संबंधी सूचना
- नेसेट: सरकार-गठन की आधिकारिक प्रक्रिया
- इज़राइल सरकार: संसदीय चुनाव और आनुपातिक प्रतिनिधित्व का परिचय
- यनेट: 29 अक्टूबर 2026 की मतगणना और गुटवार सीटें
- अल जज़ीरा: गठबंधन-वार्ता और परिणाम की अस्थायी स्थिति, 29 अक्टूबर 2026
- द हिंदू/एएफपी: आरोप, खंडन और सरकार-गठन की स्थिति, 29 अक्टूबर 2026

समसामयिक विवरण 29 अक्टूबर 2026 की उपलब्ध सूचनाओं पर आधारित है। गुटवार सीटें समाचार-रिपोर्टों से ली गई हैं; अंतिम अधिसूचित परिणाम और गठबंधन का निर्णय अलग चरण हैं।

PCSMANTRA.COM